

The 8th August, 1975

No. 4651-1FR75/25768.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Civil Services Rules, Volume II, in their application to the State of Haryana, namely:—

1. These rules may be called the Punjab Civil Services, Volume II (Haryana 3rd Amendment) Rules 1975.
2. For the Punjab Civil Services, Rules, Volume II, in the proviso to Rule 13.29 (AA) (2) Rs. 75,000 or Five Years pay "shall be substituted by Rs. 1,00,000 or nine years pay".

REGULATIONS

The 12th August, 1975

No. 272-2FR-75/26765.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of Article 283 of the Constitution of India and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Financial Rules, Volume I, in their application to the State of Haryana namely:—

1. These rules may be called the Punjab Financial (Haryana Fifth Amendment) Rules, Volume I, 1975.
2. In the Punjab Financial Rules, Volume I (hereinafter referred to as the said rules), for rule 3.62 and 3.63, the following rules shall be substituted, namely:—
"3.62. Register of orders for payment.

The Treasury Officer shall maintain a register of orders for payment.
3.63 Daily posting of Accounts.

When the dairy account with the challans and vouchers is received from the bank, the account will first be examined against the challans and vouchers which support it. Then the challans and vouchers which have been already approved and registered by the District Officer will first be marked off in the register of Challans issued and of orders for payment, that is, the date of discharge will be noted against the entries of them in these registers. Then the vouchers which have already been approved and registered by the Treasury Officer will first be marked off in the register of orders for payment, that is, the date of discharge will be noted against their entries in that register.

Note:—See also note below rule 3.57 and note 2 below Article 43 of Account Code, Volume II".

S. N. BHANOT, Secy.

HARYANA STATE LOTTERIES

The 12th August, 1975

No. DOL/HR/75/15741.—The Governor of Haryana is pleased to select the following persons as Judges for the supervision of the Mini Draw to be held on Wednesday, the 13th August, 1975:—

1. Shri Ram Parkash, HCS,
Secretary, Haryana State Electricity Board,
Chandigarh.
2. Dr. Shobha Sehgal,
Assistant Professor, Pathology,
Post-Graduate Institute of
Medical Education and Research,
Chandigarh.
3. Dr. G. Rai Aggarwal,
Dental Surgeon,
Health Centre,
Sector 22, Chandigarh.

4. Mrs. Neera Goel,
w/o Shri L. M. Goel, IAS,
Secretary to Governor, Haryana,
Chandigarh.
5. Shri Laxmi Narain, PCS (Retd.),
Kothi No. 1109, Sector 8-C,
Chandigarh.

H. K. JAIN, IAS,

Director of Lotteries & Deputy Secretary.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 6 अगस्त, 1975

क्रमांक 1873-ज(II)-75/23192.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है, और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री राम सूरूप, पुत्र श्री गंगा दत्त, ग्राम सिवाना, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उसे दी गई सनद में वर्णित शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1949-ज(II)-75/23197.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती किशन देई, विधवा श्री मूल चन्द, गांव गूहना, तहसील व जिला सोनीपत को रबी, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उसे दी गई सनद में वर्णित शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1804-ज(I)-75/23201.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है तथा उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके सामने दी गइल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं:—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
						रु०
1	महेन्द्रगढ़	श्रीमती लाडो देवी, विधवा किशना राम	ताजीपुर	नारनौल	रबी, 1973 से	150
2	„	श्री चिरन्जी सिंह, पुत्र रघुनाथ	खैरानी	„	रबी, 1973 से	150

क्रमांक 1957-ज(I) 75/23205.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री हरदेवा राम, पुत्र श्री नन्द करन, गांव ढाढीत, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।